

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग [П-मालण्ड 3--उपलण्ड (:

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

વંઃ 16]

मई विल्ली, क्राक्रवार जनवरी 7, 1972/पीप 17, 1893

No. 16]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 7, 1972/P \1/18A 17, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकक्ष्य के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 7th January 1977.

S.O. 24(E)/15/IDRA/71.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as Mahaboob Shahi Kulbarga Mills Co. Ltd., Gulberga (Mysore), for which, naving regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

nomic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby appoints for the purpose of making full and comil to investigation into the

circumstances of the case, a body of persons consisting of: -

Chairman

- Shri S. D. Mehta, Shree Ram Mills Ltd., Fergusen Road, Bombay-13. Members
- Dr. P. V. Seshadri, Adviser (Technical), National Textile Corporation Ltd., New Delhi.
- Shri P. G. Rao. Controller, Southern Region, National Textile Corporation Ltd., Bangalore.
- Shri N. S. Bharath, Joint Secretary, Department of Finance, Government of Mysore, Bangalore.
- Shri B. D. Gupta, Inspecting Officer, Office of the Regional Director, Company Law Board, "Everest" 5th floor, 100, Marine Drive, Bombay-2.

Member-Secretary.

5. Shri B. D. Gupta, Inspecting Officer, Office of the Regional Director, Comthe Textile Commissioner, Coimbatore.

[No. F. 9(39)/Lic. Pol./71.]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

भौद्यौगिक विकास तथा अंतरिक भ्यापार मंत्रालय

(श्रीदां) गिक विकास विभाग)

मादेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1972

का का 24(म)/15/माई० डी० श्रार० ए०/71.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि महबूब शाही कुलवर्गा मिल्स कं० लि०, कुलवर्गा (मैसूर)नामक भौधोगिक उपक्रम में निर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी ंगरावट हुई है जिसके लिए विद्यमान धार्यिक स्थितियों को देखते हुए कोई भी शिख्य नहीं है।

मतः मन उद्योग (विकास तथा विनियमन) मिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की मारा 15 द्वारा प्रवल मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र सथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्निसिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतव्द्वारा नियुक्ति करती है:—

ग्रध्यभ

श्री एस० डी० मेह्सा,
 श्रीराम मिस्स लि०, फर्गूसन रोड, बम्बई—13.

सदस्य

- डा० पी० बी० शेषात्रि, सलाहकार (तकनीकी), राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०, नई विल्ली।
- श्री पी० जी० राव, नियंत्रक, दक्षिण क्षेत्र, राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि०, बंगलीर।
- श्री एन० एस० भरत, संयुक्त समिव,
 विक्त विभाग, मैसूर सरकार, बंगलीर ।
- श्री बी० डी० गुप्ता, निरीक्षण भ्रधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, समवाय विधि बोर्ड, "एवरेस्ट" पांचवीं मंजिल, 100, मेरीन ब्राइव, बम्बई-2।

सहस्य-सिंब

श्री एम० मधुरेनयंगम्,
वरिष्ठ प्रवर्तन मधिकारी,
वस्त मायुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय, कोयम्बट्द ।

[सं० फा० १ (39) साइ०पोसि० 71] सुरेश कुमार सहगल, संयुक्त समिव।